कक्षा -3 विषय - हिंदी

अध्यापिका - श्रीमती पूजा सहगल

दिनांक : _.12.21

पाठ-9 हमने डरना कभी न जाना

(कविता)

नए शब्द

1 आँधी

2 तूफान

3 राह

4 रोड़ा

5 परवाह

6 चाँदनी

7 मंज़िल

8 मजबूर

9 ध्यान

10 प्रेरणा

11 ज्ञान

12 हरदम

शब्दार्थ

राह - रास्ता

रोडों - रूकावटों

परवाह - चिंता

बिखराना - फैलाना

मंज़िल - लक्ष्य

प्रेरणा - सीख

हरदम - हमेशा

आन - सम्मान

मौखिक प्रश्न -उत्तर

1 प्रःहमें रास्ता कौन दिखाता है ?

उः हमें बड़े रास्ता दिखाते हैं ।

2 प्रः दिन में राह कौन बताता है ?

उः दिन में राह सूरज बताता है ।

3 प्रः इस कविता के कवि कौन हैं ?

उः कविता के कवि श्रीप्रसाद हैं ।

लिखित प्रश्न - उत्तर

1 प्रः हमें कौन मज़बूर नहीं कर सकता ? उः हमें लंबी राह मजबूर नहीं कर सकती ।

2 प्रः हमें किस से प्रेरणा मिलती हैं ?

उः मंजिल का ज्ञान हमें प्रेरणा देता है ।

3 प्रः आगे बढ़ने के रास्ते में कौन-कौन सी चीज़ें रुकावटें पैदा करती हैं ?

उः आँधी तूफ़ान और कॉटे ।

4 प्रः यह कविता क्या सीख देती है ?

उः हमें मन में दृढ़ संकल्प लेकर आगे बढ़ने की सीख देती है ।

वाक्य बनाइए -

शान - वह अपना काम शान से करता है ।

प्रेरणा - हमें मेहनती चींटी से प्रेरणा लेनी चाहिए ।

मंज़िल - परिश्रम करोगे तो मंज़िल तक पहुँच जाओगे ।

राह - बड़े लोग हमें सही राह दिखाते हैं ।

पृष्ठ - 72

प्रश्न - उत्तर

प्रः भारत देश का दूसरा नाम बताइए ।

उः आर्यावर्त

प्रः भारत देश की मातृभाषा

उः हिंदी

प्रः भारत देश के दो महापुरुष

उः महात्मा गाँधी जवाहरलाल नेहरू

प्रः देश के 2 वैज्ञानिक

उः सी.वी. रमन , डा.जगदीश बसु